Prepp

Practice, Learn and Achieve
Your Goal with Prepp

UGC NET Exam

Prakrit

Simplifying
Government Exams

SSC CHSL | IAS EXAM | RRB NTPC | NTSE | CDS
SSC CGL | CBSE UGC NET | IBPS PO | NDA
SBI PO | IBPS CLERK | AFCAT | SSC JE | CTET
CSIR UGC NET | CAPF | IBPS RRB

www.prepp.in

PAPER-II
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________
2. (Signature) ____________________________
   (Name) ____________________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________________
(In words)

J 9 1 1 1

Time : 1 $^{1}/_{4}$ hours] [Maximum Marks : **100**

Number of Pages in this Booklet : **8**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.
   Example : (A) (B) ● (D)
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only.** If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : (A) (B) ● (D)
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।**

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – II

पण्हपत्तं – II

प्रश्नपत्र – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

टिप्पणी : इमम्मि पण्हपत्ते **पण्णासा (50)** बहु-विकप्पियाणि पण्हाणि होंति। पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. The language used is the preachings by Lord Mahavira is

भ. महावीरस्स उवदेसाणं भासा इमा अत्थि -

भ. महावीर के उपदेशों की भाषा यह है -

(A) मागधी

(B) शौरसेनी

(C) अर्धमागधी

(D) महाराष्ट्री

2. The name of the Seventh Agamas is

सत्तमागमस्स णामं अत्थि

सप्तम आगम का नाम है

(A) अचारांग-सूत्र

(B) सूत्रकृतांग-सूत्र

(C) उत्तराध्ययन-सूत्र

(D) उपासकदशांग-सूत्र

3. The description of ten house-holders is found in

दस सावगाणं वण्णणं अम्हि आगमे अत्थि

दस श्रावकों का वर्णन इस आगम में है

(A) समयसार

(B) व्याख्याप्रज्ञप्ति

(C) उपासकदशांग-सूत्र

(D) अनुयोगद्वार-सूत्र

4. Ardhamagadhi Agama Literature was finally composed by

अद्धमगही आगम-साहिच्चस्स अंतिम संकलणा अणेण कयमासी

अर्धमागधी आगम साहित्य का अंतिम संकलन इन के द्वारा किया गया

(A) आचार्य कुन्दकुन्द

(B) देवर्द्धिगणि क्षमाश्रमण

(C) सिद्धसेन

(D) हेमचन्द्र

5. The language of Vyakhya-Pragnapti is

व्याख्याप्रज्ञप्ति गंथस्स भासा अत्थि

व्याख्याप्रज्ञप्ति की भाषा है

(A) अर्धमागधी

(B) पैशाची

(C) महाराष्ट्री

(D) शौरसेनी

6. The other name of Vyakhya-pragyapti is :

व्याख्या प्रज्ञप्ति गंथस्स अवर णामं अत्थि

व्याख्या-प्रज्ञप्ति का अपर नाम है

(A) सूत्रकृतांग-सूत्र

(B) भगवती-सूत्र

(C) नंदी-सूत्र

(D) ज्ञाताधर्मकथा-सूत्र

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

7. This is not an Agama work
इमो आगम गंथो णत्थि
यह आगम-ग्रन्थ नहीं है
(A) दृष्टिवाद
(B) दशवैकालिक
(C) राजप्रश्नीय
(D) समराइच्चकहा

8. The 'Sattha-Parinna' is a chapter of this Agama
'सत्य-परिण्णा' अस्स आगमस्स अज्झयण अत्थि
'सत्य-परिण्णा' इस आगम-ग्रन्थ का अध्याय है
(A) आचारांग-सूत्र
(B) भगवती-सूत्र
(C) उपासकदशांग-सूत्र
(D) विपाकसूत्र

9. The famous work of Acharya Kundakunda is
आयरिय कुन्दकुन्दस्स पसिद्धा रयणा इमा अत्थि
आचार्य कुन्दकुन्द की प्रसिद्ध रचना यह है
(A) गउडवहो
(B) समयसारो
(C) मोक्षशास्त्र
(D) आचारांगसूत्र

10. The author of Pravachana Sara is
प्रवचनसारस्स लेहगो अत्थि
प्रवचनसार के लेखक हैं
(A) हरिभद्र (B) सिद्धसेन
(C) यतिवृषभ (D) कुन्दकुन्द

11. The language of Samayasara is
समयसार-गंथस्स भासा इमा अत्थि
समयसार-ग्रंथ की भाषा यह है
(A) अर्धमागधी (B) शौरसेनी
(C) अपभ्रंश (D) महाराष्ट्री

12. This is not Kundakunda's work
अस्स गंथस्स लेहगो कुंदकुंदो णत्थि
इस ग्रंथ के लेखक कुंदकुंद नहीं हैं
(A) नियमसार (B) समयसार
(C) द्रव्यसंग्रह (D) प्रवचनसार

13. The author of Mularadhana is
मूलाराधना गंथस्स लेहगो अत्थि
मूलाराधना के लेखक हैं
(A) शिवार्य (B) नेमिचंद्र
(C) यतिवृषभ (D) हरिभद्र

14. The author of Samaraicchakaha is
समराइच्चकहा गंथस्स लेहगो अत्थि
समराइच्चकहा के लेखक है
(A) आचार्य नेमिचंद्र
(B) आचार्य कुंदकुंद
(C) आचार्य क्षमाश्रमण
(D) आचार्य हरिभद्र

15. The discussion of Keshi and Gautama is found in this work
केसी-गोतम संवादो इमम्मि गंथे अत्थि
केशी-गौतम का संवाद इस ग्रंथ में है
(A) चउप्पन्नमहापुरुसचरियं
(B) उपदेशपद
(C) उत्तराध्ययनसूत्र
(D) पाहुडदोहा

16. The subject matter of Drvya-Sangraha is
द्रव्यसंग्रह गंथस्स वण्ण-विसयं अत्थि
द्रव्यसंग्रह का वर्ण्य-विषय है
(A) वित्त
(B) आभरण
(C) शस्त्र
(D) षड्द्रव्य

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

17. Number of Astikayas is
अत्थिकायाणं संखा अत्थि
अस्तिकायों की संख्या है
(A) पाँच (B) चार
(C) सात (D) दस

18. 'चारित्तं खलु धम्मो'
is found in
इमम्मि गंथे अत्थि
इस ग्रंथ में है
(A) सेतुबंध (B) गउडवहो
(C) गोम्मटसार (D) प्रवचनसार

19. The following works are written in Shauraseni Prakrit :
अहोलिहिदा गंथा सोरसेणी पाइय भासाअ संति ।
निम्नलिखित ग्रंथ शौरसेनी प्राकृत में है ।
(A) तत्वार्थसूत्र, समराइच्चकहा, प्रमेयकमलमार्तांड ।
(B) समयसारो. पवयणसारो, दव्वसंगहो ।
(C) सर्वार्थसिद्धि, भविस्सयत्तकहा, आरामसोहा कहा ।
(D) लीलावईकहा, गउडवहो, कंसवहो ।

20. Match each author from Part – I and his work from Part – II
पढम खंडत्तो पच्चेग लेहगस्स बयो खंडत्तो तेसं गंथाणं मेलणं कुज्जा ।
प्रथम भाग से प्रत्येक लेखक और द्वितीय भाग से उनके ग्रंथों का मिलान कीजिये ।

	I	II
(a)	विमलसूरि	(i) तरंगवईकहा
(b)	शीलांक	(ii) सुपासणाहचरियं
(c)	लक्ष्मणगणि	(iii) चउपन्नमहापुरिस चरियं
(d)	पादलिप्तसूरि	(iv) पउमचरियं

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(B)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(D)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

21. The language of Nayakumara Choriu is
णायकुमारचरिउ गंथस्स भासा इमा अत्थि
णायकुमारचरिउ की भाषा यह है
(A) अर्धमागधी
(B) महाराष्ट्री
(C) अपभ्रंश
(D) पैशाची

22. The subject matter of Samaraichha-Kaha is
समराइच्चकहाअ विसयमत्थि
समराइच्चकहा का विषय है
(A) अध्यात्म
(B) पूजा-अर्चा
(C) इतिहास
(D) जन्मांतर-कथन

23. दव्वं पज्जव विउयं दव्व विउत्ता य पज्जवा णत्थि ।
उप्पायट्ठिइभंगा हंदि दवियलक्खणं एयं ।।
This verse is found in
इमा गाहा इमम्मि गंथे अत्थि
यह गाथा इस ग्रंथ में है
(A) द्रव्यसंग्रह
(B) सन्मतितर्कप्रकरण
(C) समयसार
(D) उत्तराध्ययन-सूत्र

24. The author of Sanmati-tarka-prakarna is
सन्मतितर्कप्रकरणम् इत्तस्स लेहगो अत्थि
सन्मतितर्कप्रकरण के लेखक हैं
(A) सिद्धसेन
(B) धरसेन
(C) जिनसेन
(D) नयसेन

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

25. In Prakrit literature this group of books contain stories
पाइय-साहिच्चे पाइय-कहागंथा इमे होंति
प्राकृत-साहित्य में इस ग्रंथसमूह में कथाएँ उपलब्ध हैं

(A) प्राकृतपैंगलं, तरंगवइकहा, वज्जालग्गं
(B) वसुदेवहिंडी, धूर्ताख्यान, समराकहाच्चकहा
(C) णायाधम्मकहा, गाहासत्तसई, वृत्तजातिसमुच्चय
(D) बारसाणुवेक्खा, सूयगडं, कम्मपयडि

26. The author of Paumacariyam is
पउमचरियं गंथस्स लेहगो अत्थि
पउमचरियं के लेखक है
(A) नयसेन
(B) विमलसूरि
(C) स्वयंभू
(D) रामपाणिवाद

27. The subject matter of Paumacariyam is
पउमचरियं गंथस्स विसयमत्थि
पउमचरियं का विषय है
(A) रामकथा
(B) कृष्णकथा
(C) पांडवकथा
(D) बुद्धकथा

28. The language of Paumacariyam is
पउमचरियं गंथस्स भासा अत्थि
पउमचरियं की भाषा है
(A) महाराष्ट्री
(B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी
(D) अपभ्रंश

29. Who is the heroine of Mricchakatik Natak ?
मृच्छकटिक नाटकस्स णायिगा का ?
मृच्छकटिक-नाटक की नायिका कौन है ?
(A) मालविका (B) शकुन्तला
(C) वसन्तसेना (D) रत्नावली

30. Who is the author of Karpuramanjari ?
कर्पूरमंजरी नाटकस्स लेहगो को ?
कर्पूरमंजरी का लेखक कौन है ?
(A) कालिदास (B) नयचंद्र
(C) राजशेखर (D) रामपाणिवाद

31. Kuvalayamala-Kaha belongs to this literary category
कुवलयमालाकहा अस्स साहिच्च-विहा गंथा अत्थि
कुवलयमालाकहा इस साहित्य-विधा का ग्रंथ है
(A) नाटक
(B) चंपूकाव्य
(C) महाकाव्य
(D) खंडकाव्य

32. The author of Setubandha is
सेतुबंधस्स लेहगो अत्थि
सेतुबंध का लेखक है
(A) कालिदास
(B) कुंदकुंद
(C) हेमचंद्र
(D) प्रवरसेन

33. The author of 'Drvyasangraha' is
'द्रव्यसंग्रह'स्स लेहगो अत्थि
'द्रव्यसंग्रह' का लेखक है
(A) नेमिचंद्र
(B) बालचंद्र
(C) हेमचंद्र
(D) शुभचंद्र

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

34. The name of Twelth anga is
बारसस्स अंगस्स णाममत्थि
बारहवें अंग का नाम है
(A) आचारांग
(B) सूत्रकृतांग
(C) दृष्टिवाद
(D) स्थानांग

35. 'जीवो उवओगमओ अमुत्तिकत्ता सदेह परिमाणो'
Whose characteristics are described in this Gatha ?
अस्सिं गाहम्मि कस्स लक्खणं वण्णिदं ?
इस गाथा में किसका लक्षण बताया गया है ?
(A) पुद्गल
(B) जीव
(C) काल
(D) आकाश

36. The name of twenty third chapter of Uttarādhyana Sūtra is
उत्तरज्झयणसुत्तस्स तेवीसा अज्झयणस्स णामा अत्थि
उत्तराध्ययनसूत्र के तेवीसवें अध्ययन का नाम है
(A) चित्तसंभूइज्जं
(B) नमिपव्वज्जा
(C) विणइज्जं
(D) केसिगोयमिज्जं

37. Rajashekhara is the author of
राजसेहरो इमस्स गंथस्स लेहगो अत्थि
राजशेखर इस ग्रंथ के लेखक हैं
(A) कर्पूरमंजरी
(B) रंभामंजरी
(C) श्रृंगारमंजरी
(D) अवंतिसुंदरी

38. This is not a Sattaka
इमा सट्टका णत्थि
यह सट्टक नहीं है
(A) कर्पूरमंजरी
(B) रंभामंजरी
(C) कादंबरी
(D) श्रृंगारमंजरी

39. This is a group of Prakrit Kosha works
इमा गंथ-समूहा पाइय-कोस-गंथा अत्थि
यह ग्रंथ-समूह प्राकृत-कोश-ग्रंथ है
(A) अट्ठपाहुडो, अमरकोश, नाममाला
(B) पाइयसट्टमहण्णदो, पाइयलच्छीनाममाला, देसीनाममाला
(C) प्राकृतसर्वस्व, तरंगलोला, गोम्मटसार
(D) प्राकृतपैंगलं, प्राकृतरूपावतार, षड्भाषाचंद्रिका

40. The author of Nāyakumāra-Cariu is
णायकुमारचरिउ गंथस्य लेहगो अत्थि
णायकुमारचरिउ का लेखक है
(A) स्वयंभू
(B) धरसेन
(C) देवसेन
(D) पुष्पदंत

41. This is not a Prakrit Chanda work
इमो पाइय छंदस्स गंथो णत्थि
यह प्राकृत छन्दोग्रन्थ नहीं है
(A) वसुदेवहिंडी
(B) गाथालक्षण
(C) कविदर्पण
(D) प्राकृतपैंगलम्

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

42. "प्रकृतिःसंस्कृतं तत्र भवं तत आगतं वा प्राकृतम् ।"
Who is the author of this Sūtra ?
अस्स सुत्तस्स लेहगो को ?
इस सूत्र का लेखक कौन है ?
(A) लक्ष्मीधर (B) मार्कंडेय
(C) हेमचंद्र (D) चंड

43. The example of 'लोपोऽरण्ये' Sūtra is this :
'लोपोऽरण्ये' सुत्तस्स उदाहरणं इदं अत्थि :
'लोपोऽरण्ये' सूत्र का उदाहरण यह है :
(A) पण्णं (B) रण्णं
(C) पुण्णं (D) दण्णं

44. The example of 'ह्रस्वःसंयोगे' is this :
'ह्रस्वःसंयोगे' सुत्तस्स उदाहरणं इदं अत्थि :
'ह्रस्वःसंयोगे' सूत्र का उदाहरण यह है :
(A) आनंदं
(B) पसण्णं
(C) कारणं
(D) तंबं

45. 'Kuvalayamala-Kaha' is edited by
'कुवलयमाला कहा' अणेण संपादितो अत्थि :
'कुवलयमाला कहा' इनके द्वारा संपादित है
(A) डॉ. आ.ने. उपाध्ये
(B) मुनि जिनविजय जी
(C) पं. दलसुख मालवाणिया
(D) डॉ. एच.सि. भायाणी

46. The example of elision of final consonant is
अंत-वंजण लोवस्स इदं उदाहरणं अत्थि
अन्त्य व्यंजन के लोप का यह उदाहरण है
(A) रायउत्त
(B) मणं सिला
(C) जाव
(D) दिणेसु

47. This is the example for Anaptyxis
सरभत्ति इत्तस्स उदाहरणं अत्थि :
स्वरभक्ति का यह उदाहरण है :
(A) कम्म
(B) रयण
(C) कारण
(D) दंसण

48. This is the example of assimilation :
इदं समीकरणस्स उदाहरणं अत्थि :
यह समीकरण का उदाहरण है :
(A) अणंत
(B) आरंभ
(C) अणुराय
(D) धम्म

49. This statement is true :
इमं कहणं सच्चं अत्थि :
यह कथन सत्य है :
(A) प्राकृत में ऋ, ॠ, ऌ, ॡ के प्रयोग नहीं होते हैं ।
(B) प्राकृत में केवल ऋ, ॠ के प्रयोग होते हैं ।
(C) प्राकृत में ऋ, ॠ, ऌ, ॡ के प्रयोग होते हैं ।
(D) प्राकृत में सर्वदा ऐ, औ के प्रयोग होते हैं ।

50. The form कुमारेसु of the word कुमार is the example of this case ending
कुमार सद्दस्स कुमारेसु रूवं इमस्स विहत्तिस्स उदाहरणं अत्थि
कुमार शब्द का कुमारेसु रूप इस विभक्ति का उदाहरण है
(A) तृतीया एकवचन
(B) पंचमी बहुवचन
(C) सप्तमी बहुवचन
(D) षष्ठी एकवचन

Latest Sarkari Jobs, Govt Exam Results, Vacancies and updates on one click
Know More

Prepp

Latest Sarkari jobs, Govt Exam alerts, Results and Vacancies

- Latest News and Notification
- Exam Paper Analysis
- Topic-wise weightage
- Previous Year Papers with Answer Key
- Preparation Strategy & Subject-wise Books

To know more **Click Here**

www.prepp.in